This question paper contains 3 printed pages. **Your Roll No. ....**

Sl. No. of Ques. Paper	: **5296**	**G**
Unique Paper Code	: **205541**	
Name of Paper	: **Hindi (C)**	
Name of Course	: **B.A. (Prog.)**	
Semester	: **V**	
Duration	: **3 hours**	
Maximum Marks	: **75**	

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के भागों के उत्तर एक ही स्थान पर लिखिए।

1. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 10

यह विलक्षण प्रतिभा के चमत्कारी बालक की धुँआधार पारी नहीं थी। यह एक परिपक्व, अनुशासित और विचारवान, अनुपम प्रतिभा सम्पन्न सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज की विलक्षण पारी थी। इसे खेल कर सचिन तेंदुलकर ने उन लपलपाती विष जिह्वाओं का जहर उतारा, जो कहती थीं कि सचित भारत के बाहर तेज और उछाल देने वाले पिचों पर तूफानी गोलंदाजी नहीं खेल सकते, संकट और निर्णय के मौके पर उनके हाथ पाँव फूल जाते हैं और भले ही महान बल्लेबाज हों, संकट मोचक और मैच विनर नहीं हैं। इसीलिए एलन बॉर्डर ने दुनिया भर के गोलंदाजों को आगाह किया है। बॉर्डर कोई भारतीय अखबारों के दम्भी और टुच्चे रिपोर्टर नहीं हैं।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) सचिन भारत के बाहर क्यों नहीं खेल पाते थे?

(iii) प्रस्तुत अनुच्छेद का केन्द्रीय विचार लिखिए।

(iv) संकट, विष, फूल, बालक शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

2. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 10

झपटता बाज,
फन उठाए साँप,
दो पैरों पर खड़ी,
काँटों से नन्हीं पत्तियाँ खाती बकरी,
दबे पाँव झाड़ियों में चलता चीता,
डाल पर उल्टा लटक,
फल कुतरता तोता,
या इन सब की जगह,
आदमी होता।

जब भी
भूख से लड़ने
कोई खड़ा हो जाता है
सुंदर दीखने लगता है।

(i) प्रस्तुत पद्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ii) प्रस्तुत काव्यांश का मूल भाव लिखिए।

(iii) "या इन सब की जगह, आदमी होता।" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'साँप' और 'आदमी' शब्दों के **दो-दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए।

3. नागार्जुन द्वारा रचित 'मास्टर' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

'घंटी' कहानी की मूल संवेदना लिखिए।

4. निम्नलिखित का संक्षिप्त परिचय दीजिए: 5+5+5

(i) खड़ी बोली **अथवा** अवधी

(ii) लिपि का महत्त्व

(iii) राष्ट्रभाषा की विशेषताएँ।

5. (क) निम्नलिखित अपठित गद्यांश के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

मनुष्य की उद्दाम आकांक्षाओं के बुलडोजरों ने धरती को बेरहमी से रौंदा है, कुचला है, खोदा है और उजाड़ा है। मनुष्य ने अपने कुकृत्यों से धरती माता को घायल किया है और विकृतियाँ फैलायी हैं। ये विकृतियाँ आज हमारे लिए अभिशाप बन गई हैं। जापान की भयंकर सुनामी तथा परमाणु केन्द्र का विनाश अतिशय उपभोक्ता संस्कृति का ही परिणाम है। मनुष्य की उद्दाम लालसाओं ने, सब कुछ पा लेने की कामनाओं ने, घोर अंध स्वार्थ-वृत्ति ने, भोग लिप्सा ने प्रकृति चक्र को ध्वस्त किया है। उसने नैसर्गिक सहज संचालन में हस्तक्षेप किया है, सारे पर्यावरण चक्र को नष्ट-भ्रष्ट किया है। औद्योगीकरण, शहरीकरण, युद्धों के उन्माद, जनसंख्या के विस्फोट आदि प्रतिक्रियाओं के परिणाम-स्वरूप प्रकृति का स्वरूप विकृत हुआ है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

(ii) प्रकृति के विकृत स्वरूप के कारणों को स्पष्ट कीजिए। 2

(iii) उपभोक्ता संस्कृति के परिणामों का वर्णन कीजिए। 2

(ख) निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों में से किन्हीं **पाँच** का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य बनाइए: 5

(i) हाथ पर हाथ धरकर बैठना

(ii) जिसकी लाठी उसकी भैंस

(iii) दाल में काला

(iv) अंधे की लाठी

(v) घर का भेदी लंका ढाए

(vi) आँख दिखाना

(vii) लाल पीला होना

(viii) साँप सूँघना।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **पाँच** को शुद्ध रूप में लिखिए: 5

(i) जीवन में साहित्य है घोर संबंध

(ii) इसमें समस्त प्रणिमात्र का कल्याण है।

(iii) वह मेरे को गुलाब का फूल दिया।

(iv) आज के आधुनिक युग में चारों ओर भ्रष्टाचार फैला है।

(v) वह अपना उल्लू सीधा बनाकर चलता बना।

(vi) उसकी कमीज साफ नहीं धुली।

(vii) राष्ट्रभावना के संग राष्ट्रभाषा का महत्त्व और भी बढ़ जाती है।

(viii) नए पाँच कवियों के नाम लिखिए।

6. प्रतिवेदन के प्रमुख तत्त्वों का परिचय दीजिए। 10

अथवा

अपने महाविद्यालय में आयोजित वार्षिकोत्सव पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।

7. किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए (शब्द संख्या 250–300) : 10

(i) जागरूक होती स्त्री

(ii) आज का समाज

(iii) रियेलिटी शो

(iv) दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण।